कम पूंजी के व्यवसाय, नौकरी या बेरोजगारी से हैं परेशान, तो शुरू करें मुनाफे वाले ये बिजनेस,   अलग-अलग उद्योगों को शुरू करने की मिलेगी जानकारी

npcs

आजकल हमारे देश का युवा किसी और के लिए काम करने के बजाय अपना खुद का व्यवसाय करना चाहता है ,लेकिन ज्यादातर युवाओं के पास Financial Shortage होती है इसलिए वो यह सोचने लगते हैं कि वो कभी खुद का व्यवसाय नहीं कर पाएंगे उन युवाओं की तरह और भी लोग हैं जो ये सोचते हैं कि खुद का व्यवसाय शुरू करने के लिए बहुत निवेश की आवश्यकता होती है लेकिन यह बिलकुल भी सत्य नहीं है, बहुत सारे ऐसे व्यवसाय हैं जिन्हें कम पूंजी से ही शुरू किया जा सकता है और ये सभी लम्बे समय तक चलने वाले व्यवसाय है।

छोटे पैमाने पर क्षेत्र हर दिन अधिक महत्व ग्रहण कर रहा है। सैकड़ों हजार लोग हर साल अपने स्वयं के व्यवसाय शुरू करते हैंए और अपने स्वयं के मालिक बनने की संभावना के बारे में और अधिक सपना देखते हैं। आपके पास पर्याप्त धन न होने पर घर पर कोई व्यवसाय शुरू करना सबसे अच्छा होता है ।

जब आप अपना कोई भी बिज़नेस शुरु कर लेते है तो आपके पास उस बिज़नेस से बहुत सा फायदा होता है अगर आपका अपना खुद का बिज़नेस होगा तो आप अपने खुद के बॉस होंगे मतलब की आपको किसी दूसरे का आर्डर नहीं सुनना होगा आप अपने खुद के बिज़नेस को अपने तरीके से कर सकते है जैसा आपको अच्छा लगे वैसे आप अपने बिज़नेस को कर सकते है एक छोटा सा बिज़नेस आपको बड़ी इनकम देता है अगर आपका छोटा बिज़नेस सक्सेस हो गया तो वो बिज़नेस आपके जॉब से 4-5 गुना ज़्यादा इनकम देगा जैसे जैसे आपका बिज़नेस बढ़ता जायेगा वैसे ही आपकी इनकम भी बढ़ती जाएगी।

प्रत्येक व्यक्ति के मन में उद्‍यमी बनने, सम्पत्ति कमाने, नाम कमाने तथा आत्मनिर्भर बनने की इच्छा होती है। मूलतः उद्‍यमी होने के लिए पाँच कसौटियाँ हैं। उद्‍यमी बनने का निर्णय करने पर इन कसौटियों को पार करने के लिए उचित अभ्यास करना आवश्यक है। सम्पत्ति अर्जित करने के लिए लगन, स्वभाव और आचार में लचीलापन, व्यवसाय प्रक्रिया के रहस्य की जानकारी, उद्‍योग की श्रृंखला, परस्पर सम्बन्ध निर्माण करने की तैयारी तथा बिना थके, बिना निराश हुए कोशिश करते रहने की मानसिक . शारीरिक . सांस्कृतिक तैयारी।

भारत जैसे विकासशील अर्थव्यवस्था के विकास में लघु उद्योग एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लघु उद्योग स्थानीय संसाधनो का उचित, इष्टतम उपयोग द्वारा स्थानीय आवश्यकताओं की पूर्ति करने के अवसर प्रदान करते है। लघु उद्योग में हुए विकास ने आधुनिक तकनीक अपनाने तथा लाभकारी रोजगार में श्रम शक्ति का अवशोषण करने के लिए उद्यमशीलता की प्रतिभा का उपयोग करने को प्राथमिकता प्रदान की है जिससे उत्पादकता और आय के स्तर को बढ़ाया जा सके। लघु उद्योग उद्योगो के प्रसार तथा स्थानीय संसाधनों के उपयोग में सुविधा प्रदान करते हैं।

यह उधारकर्ताओं और निवेशकों के लिए भी बेहतर रहता हैए जिससे कि वो निवेश करने से पहले व्यवसाय की पूरी योजना से अवगत हो पाते हैं। अगर आपका व्यवसाय स्व वित्तपोषित है तो कम्पनी के मालिक के लिए यह बेहतर होगा कि वो उचित वित्तिय अनुमान निर्मित करे और प्रासंगिक व्यापार रणनीतियों के साथ उभर कर सामने आए। विपणन की योजना व्यापार की योजना का एक अभिन्न हिस्सा है जैसा कि यह विपणन रणनीतियों में शामिल है जो कि सेवाओं और उत्पाद के प्रचार और प्रोत्साहन के लिए अपनाई जाने वाली हैं। व्यवसाय योजना में लक्ष्य भी शामिल है जिसे अपने प्रदर्शन से प्राप्त करना होता है। इससे संस्था को चलाने के लिए आवश्यक पूंजी के लिए संकेत भी मिलते हैं।

लघु उद्योगों ने बीते 50 साल में प्रगति के अनेक सोपान तय किये हैं । हमारे देश के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में इन उद्योगों का योगदान अहम साबित हुआ है । इन्होने कम पूँजी से रोज़गार उपलब्ध कराये हैं । ग्रामीण इलाको में औद्योगीकरण का प्रकाश फैलाया है तथा क्षेत्रीय असंतुलन में कमी को दूर करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है । लघु उद्योग में हुए विकास ने आधुनिक तकनीक अपनाने तथा लाभकारी रोजगार में श्रम शक्ति का अवशोषण करने के लिए उद्यमशीलता की प्रतिभा का उपयोग करने को प्राथमिकता प्रदान की है जिससे उत्पादकता और आय के स्तर को बढ़ाया जा सके।

npcs

लघु उद्योग उद्योगो के प्रसार तथा स्थानीय संसाधनों के उपयोग में सुविधा प्रदान करते हैं। माइक्रो यूनिट्स डेवलपमेंट एंड रिफाइनेंस एजेंसी मुद्रा नामक योजना के अन्तर्गत बेहद छोटे उद्यमियों को 50000 रूपए से लेकर 10 लाख रूपए तक के कर्ज़ उपलब्ध कराये जाते हैं । इस योजना से लघु उद्योगों के लिए प्रगति का एक नया मार्ग प्रशस्त हुआ है ।

लघु उद्योग, स्वरोजगार, व प्रबन्ध क्षेत्रों में मार्गदर्शक के रूप में कार्य करते हैं। लघु, कुटीर व घरेलू उद्योग परियोजनाएं नए उद्यमी व संभावित उद्यमियों को उद्योग . व्यवसाय की स्थापना व संवर्द्धन की दिशा में प्रेरित करती हैं जिससे वे देश के आर्थिक विकास में अपना योगदान बढ़ा सकें।

कुछ लघु व्यवसाय निम्न प्रकार हैं जिन्हें आप कम पूंजी में भी शुरू कर सकते हैं:

- कम्प्यूटर सेन्टर
- वीडियो मिक्सिंग, डबिंग व टाइटलिंग
- सुपारी कटिंग
- बुक बाईंडिंग
- टिफिन सप्लाई केन्द्र

- पेपर पिन, ऑलपिन का निर्माण
- कूलर निर्माण
- हर्बल शैम्पू पाउडर ;बाल धेने का आयुर्वेदिक पाउडर का उत्पादन
- सर्जिकल बेन्डेज बनाना
- साड़ी फाल्स बनाना
- बैडमिंटन के लिए शटल कॉक बनाना
- स्क्रीन प्रिंटिंग कार्य
- दुपहिया वाहनों की सर्विसिंग

www.entrepreneurindia.co

- फास्ट फूड रेस्टोरेण्ट स्थापित करना
- व्यवसायिक कार्य हेतु फैक्स मशीन बनाना
- मसालों का उत्पादन
- चादर ;बेड शीट व तकिया कवर निर्माण,
- हेण्डलूम द्वारा तौलियों का निर्माण
- कॉटन टी शर्टस तथा स्पोर्टस शर्टस का निर्माण
- हौज़ियरी वस्त्रों के निर्माण (पुरूषों के अंर्तवस्त्रों का निर्माण)

- स्कूटर तथा मोटर साइकिल में लगने वाले क्लच एवं गीयर वायर्स का निर्माण
- एल्युमीनियम के बर्तन बनाना
- चावल से मुरमुरा बनाना
- दूध से मावा बनाना
- धुलाई साबुन का निर्माण
- कपूर की गोली/ टिकिया का निर्माण
- नेल पॉलिश उत्पादन
- डिस्टेंपर पेंट उत्पादन

- कागज के लिफाफे बनाना
- सौंदर्य व शृंगार प्रसाधन उद्योग
- एमल्शन
- पाउडर
- स्टिक्स
- केक
- ऑयल
- म्युसिलेज
- जैली

- सस्पेन्शन
- पेस्ट
- सोप
- सोल्युशन
- कोल्ड क्रीम
- वैनिशिंग क्रीम
- हैंड क्रीम
- क्लीनसिंग क्रीम

- लिपस्टिक
- केश तेल
- हेयर ऐमल्शनए क्रीम व डाई
- हेयर फिक्सर (बालों को बिठाने के लिए)
- टूथ पाउडर
- टूथ पेस्ट
- शेविंग क्रीम
- ऑफ्टर शेव लोशन

- एलम ब्लॉक (फिटकरी)
- बेबी पावर्डस
- बाल पेन रिफिल निर्माण
- सुगर केन्डी निर्माण
- लकड़ी के फोटो फ्रेम्स बनाना
- फोटो स्टूडियो स्थापित करना
- डिटरजेन्ट पाउडर बनाना

- तरल नील बनाना
- फिनाईल बनाना
- आचार बनाना
- हेयर पिन्स
- अगरबत्ती, धूप बनाना
- मोमबत्ती उद्योग
- पापड़, बड़ियां और चाट मसाला उद्योग
- खिलौना और गुड़िया उद्योग

See more

http://goo.gl/2KrF8G
http://goo.gl/3857gN
http://goo.gl/gUfXbM
http://goo.gl/Jf0264
http://goo.gl/f3hnCo

Free Instant Online Project Identification and Selection Service

Our Team has simplified the process for you by providing a "Free Instant Online Project Identification & Selection" search facility to identify projects based on multiple search parameters related to project costs namely: Plant & Machinery Cost, Total Capital Investment, Cost of the project, Rate of Return% (ROR) and Break Even Point % (BEP). You can sort the projects on the basis of mentioned pointers and identify a suitable project matching your investment requisites......Read more

Download Complete List of Project Reports:

- **Detailed Project Reports**

NPCS is manned by engineers, planners, specialists, financial experts, economic analysts and design specialists with extensive experience in the related industries.

Our Market Survey cum Detailed Techno Economic Feasibility Report provides an insight of market in India. The report assesses the market sizing and growth of the Industry. While expanding a current business or while venturing into new business, entrepreneurs are often faced with the dilemma of zeroing in on a suitable product/line.

And before diversifying/venturing into any product, they wish to study the following aspects of the identified product:

- **Good Present/Future Demand**
- **Export-Import Market Potential**
- **Raw Material & Manpower Availability**
- **Project Costs and Payback Period**

The detailed project report covers all aspect of business, from analyzing the market, confirming availability of various necessities such as Manufacturing Plant, Detailed Project Report, Profile, Business Plan, Industry Trends, Market Research, Survey, Manufacturing Process, Machinery, Raw Materials, Feasibility Study, Investment Opportunities, Cost and Revenue, Plant Economics, Production Schedule,

Working Capital Requirement, uses and applications, Plant Layout, Project Financials, Process Flow Sheet, Cost of Project, Projected Balance Sheets, Profitability Ratios, Break Even Analysis. The DPR (Detailed Project Report) is formulated by highly accomplished and experienced consultants and the market research and analysis are supported by a panel of experts and digitalized data bank.

We at NPCS, through our reliable expertise in the project consultancy and market research field, have demystified the situation by putting forward the emerging business opportunity in India along with its business prospects......Read more

Visit us at

www.entrepreneurindia.co

Take a look at NIIR PROJECT CONSULTANCY SERVICES on #Street View

https://goo.gl/VstWkd

NIIR PROJECT CONSULTANCY SERVICES

An ISO 9001:2015 Company

Contact us

NIIR PROJECT CONSULTANCY SERVICES

106-E, Kamla Nagar, New Delhi-110007, India.

Email: npcs.india@gmail.com, info@niir.org

Tel: +91-11-23843955, 23845654, 23845886

Mobile: +91-9811043595

Website :

www.niir.org

www.entrepreneurindia.co

Take a look at NIIR PROJECT CONSULTANCY SERVICES on #StreetView

https://goo.gl/VstWkd

Follow Us

- https://www.linkedin.com/company/niir-project-consultancy-services
- https://www.facebook.com/NIIR.ORG
- https://www.youtube.com/user/NIIRproject
- https://plus.google.com/+NIIRPROJECTCONSULTANCYSERVICESNewDelhi/posts
- https://twitter.com/npcs_in
- https://www.pinterest.com/npcsindia/

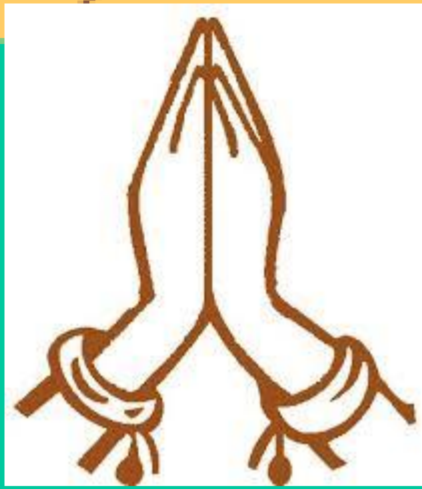

THANK YOU!!!

For more information, visit us at:

www.niir.org

www.entrepreneurindia.co